कृष्णकृपाश्रीमूर्ति

श्री श्रीमद् ए. सी. भक्तिवेदान्त स्वामी प्रभुपाद

संस्थापकाचार्य : अन्तर्राष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ

भक्तिवेदान्त बुक ट्रस्ट

इस ग्रंथ की विषयवस्तु में जिज्ञासु पाठकगण अपने निकटस्थ किसी भी इस्कॉन केन्द्र से अथवा निम्नलिखित पते पर पत्र-व्यवहार करने के लिए आमंत्रित हैं :

भक्तिवेदान्त बुक ट्रस्ट

हरे कृष्ण धाम

जुहू, मुंबई ४०० ०४९

अनुवादक (अंग्रेजी-हिन्दी) : डॉ. शिवगोपाल मिश्र

अनुवाद संपादक : श्रीनिवास आचार्य दास, जितामित्र दास

द्वितीय परिशोधित एवं परिवर्धित अंग्रेजी संस्करण, १९८३, पर आधारित अखण्ड परिशोधित एवं परिवर्धित द्वितीय हिन्दी संस्करण :

पहले मुद्रण से बाईसवें मुद्रण तक, ५,७६,००० प्रतियाँ।

तेईसवाँ मुद्रण, अप्रैल १९९९, १०,००० प्रतियाँ।

भगवद्गीता यथारूप के अरबी, चीनी, डच, फ्रेंच, जर्मन, अंग्रेजी, इतालवी, जापानी, पुर्तगाली, स्पेनी, स्विडिश, बँगला, गुजराती, मराठी, तमिल, तेलगू, तथा अन्य अनेक भाषाओं के संस्करण भी उपलब्ध हैं।